

इंदौर प्रति मंगलवार, 22 सितम्बर 2026 से 28 सितम्बर 2026 तक

गौरी-गणेश महालक्ष्मी पर्व आस्था, समृद्धि और पीढ़ियों को जोड़ती परंपरा

महाराष्ट्र से मध्य प्रदेश तक महाराष्ट्रीयन परिवारों में उत्साह, तीन दिनों तक गौरी आगमन, महालक्ष्मी पूजन और भावपूर्ण विदाई की परंपरा

इंदौर। गणेशोत्सव की मंगल बेला में मनाया जाने वाला गौरी-गणेश महालक्ष्मी पर्व महाराष्ट्र की उन समृद्ध परंपराओं में शामिल है, जिनमें आस्था के साथ परिवार, संस्कार और पीढ़ियों का जुड़ाव दिखाई देता है। महाराष्ट्र के साथ मध्य प्रदेश और देश के विभिन्न हिस्सों में बसे महाराष्ट्रीयन परिवार आज भी इस परंपरा को वर्षों से श्रद्धा और उत्साह के साथ निभाते आ रहे हैं। गणेशोत्सव के दौरान गौरी माता के आगमन का विशेष महत्व माना जाता है। कई महाराष्ट्रीयन परिवारों में दो गौरी स्थापित की जाती हैं, जिन्हें ज्येष्ठा और कनिष्ठा कहा जाता है। क्षेत्र और परिवार के अनुसार पूजन की परंपराओं में कुछ अंतर देखने को मिलता है, लेकिन मूल भावना माता के स्वागत, पूजन और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की होती है।

पहला दिन : बेटी की तरह गौरी माता का स्वागत

पर्व के पहले दिन गौरी आगमन होता है। घरों की साफ-सफाई कर रंगोली बनाई जाती है, फूल और तोरण लगाए जाते हैं तथा माता के आगमन के प्रतीक स्वरूप चरण सजाए जाते हैं। इसके बाद श्रद्धापूर्वक गौरी माता की स्थापना की जाती है। उन्हें सुंदर वस्त्र, आभूषण, फूल और श्रृंगार अर्पित किया जाता है। कई परिवारों में गौरी माता के आगमन को घर की बेटी या बहन के मायके आने जैसे आत्मीय भाव से देखा जाता है। यही कारण है कि माता के आगमन पर पूरे परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहता है।

दूसरा दिन : महालक्ष्मी पूजन, नैवेद्य और महाप्रसाद

दूसरा दिन मुख्य पूजन का होता है। गौरी माता का विशेष श्रृंगार कर महालक्ष्मी स्वरूप में पूजा-अर्चना की जाती है। परिवार के लिए सुख-शांति, आरोग्य, सौभाग्य, धन-धान्य और समृद्धि की मंगलकामना की जाती है। इस दिन घरों में पारंपरिक व्यंजन और विशेष नैवेद्य तैयार किए जाते हैं। रिश्तेदार, मित्र और परिचित माता के दर्शन के लिए पहुँचते हैं। आरती के बाद प्रसाद ग्रहण किया जाता है। धार्मिक आस्था के साथ यह दिन परिवार और समाज के लोगों को एक-दूसरे के करीब लाने का अवसर भी बनता है।



तीसरा दिन : फिर आने की प्रार्थना के साथ विदाई

तीसरे दिन गौरी माता को भावपूर्ण विदाई दी जाती है। जिस आत्मीयता के साथ माता का स्वागत किया जाता है, उसी श्रद्धा और भावुकता के साथ उनकी विदाई भी होती है। पूजा और आरती के बाद माता से प्रार्थना की जाती है कि परिवार पर उनका आशीर्वाद बना रहे, घर में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहे तथा अगले वर्ष वे पुनः पधारें। इसके बाद परिवार की परंपरा के अनुसार माता को विदाई दी जाती है। इंदौर में वर्षों से सहेजी जा रही परंपरा महाराष्ट्र से बाहर बसे महाराष्ट्रीयन परिवारों ने भी इस सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखा है। इंदौर में भी अनेक परिवार वर्षों से गौरी-गणेश महालक्ष्मी पर्व को पारंपरिक रीति-रिवाज से मनाते आ रहे हैं। पवन सोनार जी एवं सोनार परिवार के यहाँ गौरी महालक्ष्मी की स्थापना और पूजन की यह परंपरा वर्षों से श्रद्धा और उत्साह के साथ चली आ रही है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी माता का सुंदर श्रृंगार कर विधि-विधान से पूजन किया गया। परिवार, मित्रों और शुभचिंतकों ने माता के दर्शन कर आशीर्वाद एवं प्रसाद प्राप्त किया। इसी तरह सुनील पांडुरंग खंडागले जी एवं खंडागले परिवार के यहाँ भी यह परंपरा वर्षों से निभाई जा रही है। इस वर्ष भी उनके यहाँ गौरी माता के दर्शन का अवसर मिला। माता का सुंदर श्रृंगार, परिवार की आत्मीयता और भक्तिमय वातावरण इस पर्व की सांस्कृतिक सुंदरता को और विशेष बनाता है।

“हमारी संस्कृति और संस्कार ही हमारी ताकत”

इन दोनों परिवारों से वर्षों से जुड़े

रणजीत टाइम्स के प्रधान संपादक गोपाल गावंडे भी हर वर्ष गौरी महालक्ष्मी के दर्शन के लिए पहुँचते रहे हैं। इस वर्ष भी उन्होंने पवन सोनार एवं सुनील पांडुरंग खंडागले परिवार के यहाँ माता के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और प्रसाद ग्रहण किया।

गोपाल गावंडे ने कहा

“हम वर्षों से इन परिवारों के यहाँ गौरी महालक्ष्मी के दर्शन के लिए जाते आ रहे हैं। यह केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, पारिवारिक आत्मीयता और पीढ़ियों से चले आ रहे संस्कारों का उत्सव है। हमारी कामना है कि हमारे पूर्वजों से मिली ये परंपराएँ आने वाली पीढ़ियाँ भी इसी श्रद्धा और उत्साह के साथ आगे बढ़ाती रहें।” उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक दौर में बच्चों और युवाओं को अपनी संस्कृति तथा पारंपरिक पर्वों से जोड़ना और भी आवश्यक है। “हमारा सनातन धर्म, हमारी संस्कृति, हमारे संस्कार और हमारी परंपराएँ ही हमारी ताकत और पहचान हैं। इन्हें सहेजना और अगली पीढ़ी तक पहुँचाना हम सभी की जिम्मेदारी है।”

गौरी-गणेश महालक्ष्मी पर्व का संदेश भी यही है

परिवार जुड़े रहें, संस्कार जीवित रहें और हमारी सांस्कृतिक विरासत पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ती रहे। माता गौरी महालक्ष्मी एवं भगवान श्री गणेश सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, वैभव, आरोग्य और शांति प्रदान करें।

जय गौरी महालक्ष्मी।

जय श्री गणेश। जय सनातन संस्कृति।

गोपाल गावंडे

प्रधान संपादक, रणजीत टाइम्स

मां करणी सेना के सनातन प्रकोष्ठ का विस्तार शुरू, मध्यप्रदेश एवं इंदौर महानगर में नई नियुक्तियाँ

सभी सनातनियों को साथ लेकर आगे बढ़ेगी मां करणी सेना, संगठनात्मक, मीडिया और वैधानिक जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं

इंदौर। मां करणी सेना के राष्ट्रीय कार्यालय में सोमवार, 21 सितंबर 2026 को संगठन के विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक के साथ ही मां करणी सेना के सनातन प्रकोष्ठ के विस्तार की शुरुआत की गई। मध्यप्रदेश एवं इंदौर महानगर स्तर पर विभिन्न पदाधिकारियों को संगठनात्मक, मीडिया एवं वैधानिक प्रकोष्ठ से जुड़ी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। मां करणी सेना का उद्देश्य सभी सनातनियों को एक मंच पर साथ लेकर चलना और सनातन समाज के विभिन्न वर्गों को संगठन से जोड़ना है। इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए सनातन प्रकोष्ठ के संगठनात्मक विस्तार की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। आने वाले समय में मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों और शहरों में भी सनातन प्रकोष्ठ की कार्यकारिणियों का विस्तार किया जाएगा।

नियुक्ति कार्यक्रम में मां करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र सिंह गौतम विशेष रूप से उपस्थित रहे। वहीं सनातन प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी श्री गोपाल गावंडे द्वारा सनातन प्रकोष्ठ में विभिन्न पदों पर नियुक्तियाँ कर पदाधिकारियों को जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। नई नियुक्तियों के अंतर्गत श्री मुकेश चौहान को इंदौर महानगर संगठन मंत्री तथा श्री आदित्य शर्मा को इंदौर महानगर मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई।

प्रदेश स्तर पर श्री राजेश धाकड़ को मध्यप्रदेश संगठन महामंत्री की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। वहीं संगठन के कानूनी एवं वैधानिक मामलों के संचालन और विधिक मार्गदर्शन के लिए एडवोकेट श्री विकास भारद्वाज को मध्यप्रदेश वैधानिक प्रकोष्ठ की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में कहा गया कि सनातन प्रकोष्ठ के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों को संगठन से जोड़ते हुए सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को आगे बढ़ाया जाएगा। संगठन का विस्तार प्रदेश से लेकर जिला, शहर एवं स्थानीय स्तर तक करने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

सनातन प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी श्री गोपाल गावंडे ने कहा कि मां करणी सेना सभी



सनातनियों को साथ लेकर चलने की भावना के साथ आगे बढ़ रही है। सनातन प्रकोष्ठ का विस्तार इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। संगठन में सक्रिय और जिम्मेदार लोगों को जोड़कर अलग-अलग क्षेत्रों की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन द्वारा उन पर जताए गए विश्वास के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करने और संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया।

रणजीत टाइम्स न्यूज़



तीर्थ स्थल रामदेवरा के दर्शन केंद्रीय राज्य मंत्री श्री मति सावित्री ठाकुर

बदनावर,,आज भाद्रपद शुक्ल दशमी के पावन अवसर पर राजस्थान के जैसलमेर स्थित पूज्य लोकदेवता



बाबा रामदेव जी महाराज के प्रसिद्ध तीर्थस्थल रामदेवरा पहुँचकर दर्शन एवं

पूजन का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

“केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर” इस अवसर पर बदनावर क्षेत्र के श्री मेखालेश्वर धाम की प्रथम ध्वजा अर्पित कर देश एवं प्रदेशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की। इस दौरान बदनावर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री शेखर यादव जी, मेखालेश्वर धाम के पूज्य गुरुदेव महंत खटपटी नाथ जी एवं क्षेत्र के श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

बाबा रामदेव जी महाराज की कृपा सभी पर सदैव बनी रहे।

गोकुल नगर में सात दिनों से गूँज रहा ‘गोकुल के राजा’ का जयघोष

2018 से निरंतर विराज रहे गणपति बप्पा, आरती-कीर्तन और विभिन्न गतिविधियों से बना पारिवारिक माहौल



इंदौर। कनाड़िया रोड स्थित गोकुल नगर में हर वर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी “गोकुल के राजा” का भव्य आगमन हुआ। गणेशोत्सव के सात दिन पूर्ण होने के साथ ही पूरे क्षेत्र में उत्साह और भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। कॉलोनी के रहवासी, महिलाएं, बच्चे और वरिष्ठजन प्रतिदिन सुबह और शाम पंडाल में एकत्रित होकर भगवान श्री गणेश की आरती एवं पूजा-अर्चना में शामिल हो रहे हैं। गोकुल नगर में वर्ष 2018



से लगातार “गोकुल के राजा” की स्थापना की जा रही है। आयोजन की विशेषता यह है कि यह केवल धार्मिक आयोजन न रहकर पूरी कॉलोनी को एक परिवार की तरह जोड़ने का माध्यम बन गया है। सुबह से ही श्रद्धालुओं का पंडाल में पहुंचना शुरू हो जाता है और शाम को आरती के समय बड़ी संख्या में रहवासी एकत्रित होते हैं।

गणेशोत्सव के दौरान बच्चों एवं परिवारों के लिए विभिन्न गतिविधियां

भी आयोजित की जाती हैं। महिलाओं द्वारा भजन-कीर्तन किया जाता है और प्रतिदिन अलग-अलग परिवारों एवं श्रद्धालुओं के सहयोग से भगवान श्री गणेश को प्रसाद अर्पित कर सभी भक्तों में वितरित किया जाता है। सामूहिक सहभागिता के कारण पूरे उत्सव में आपसी प्रेम, सौहार्द और पारिवारिक वातावरण देखने को मिल रहा है। गोकुल नगर, कनाड़िया रोड, डी-मार्ट के सामने आयोजित इस गणेशोत्सव को सफल बनाने में कार्यकारी सदस्यों राजेश दुबे, ओमप्रकाश सिंह, जितेंद्र तीमेचा, संजय पारुकर, सौरभ वर्मा, कवि शंकर, अमन अरोड़ा, नितिन यादव, अमित सक्सेना, संदीप जैन, यतीन शाह, विकास जैन एवं ललित जैन सहित कॉलोनी के रहवासियों का विशेष सहयोग मिल रहा है। इस अवसर पर रणजीत टाइम्स के प्रधान संपादक श्री गोपाल गवंडे भी प्रतिवर्ष की तरह गोकुल के राजा के दर्शन एवं आरती में सम्मिलित हुए और भगवान श्री गणेश का आशीर्वाद लिया। आयोजकों और रहवासियों का कहना है कि गणपति बप्पा के आशीर्वाद से यह परंपरा इसी तरह निरंतर आगे बढ़ती रहे और गोकुल नगर में सुख, समृद्धि, एकता एवं सद्भाव बना रहे।

धारा 307 में 10 वर्ष, आयुध अधिनियम में 7 वर्ष का सश्रम कारावास और 9,500 अर्थदंड

खुशबू श्रीवास्तव

देपालपुर। पुलिस

अधिकारी पर जानलेवा हमला करते हुए फायरिंग करने के मामले में अपर सत्र न्यायालय, देपालपुर, जिला इंदौर ने आरोपी मनोज उर्फ मांगीलाल पिता भैरूलाल गतीजा को दोषी ठहराते हुए विभिन्न धाराओं में सश्रम कारावास एवं अर्थदंड से दंडित किया है। न्यायालय

ने 15 सितंबर 2026 को अपना फैसला सुनाया। मामला वर्ष 2021 का है। अभियोजन के अनुसार, 20 दिसंबर 2021 को देपालपुर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि हत्या और सोना लूट के एक मामले में संदिग्ध आरोपी मनोज क्षेत्र में पल्सर मोटरसाइकिल के साथ मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ग्राम बरौदापंथ की ओर रवाना हुई।

पुलिस टीम को देपालपुर-बेटमा मार्ग पर एक संदिग्ध व्यक्ति मोटरसाइकिल के साथ दिखाई दिया। पुलिस को देखते ही वह मोटरसाइकिल छोड़कर भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने उसका पीछा किया। इसी दौरान आरोपी ने उप निरीक्षक दीपक राठौर को निशाना बनाकर कथित रूप से दो बार फायरिंग की। अचानक हुई फायरिंग में उप निरीक्षक ने नीचे बैठकर अपनी जान बचाई। इसके बाद आरोपी गेहूं के खेत में जा छिपा। पुलिस बल और ग्रामीणों ने



आरोपी मनोज उर्फ मांगीलाल गतीजा



अभियोजन पक्ष विशाल गुप्ता



प्रभारी पदेन अपर लोक अभियोजक न्यायालय देपालपुर

खेत को चारों ओर से घेर लिया। पुलिस द्वारा आरोपी को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी गई, जिसके बाद वह दोनों हाथ ऊपर कर खेत से बाहर आया। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर तलाशी ली, जिसमें उसके कब्जे से पिस्टल बरामद हुई।

हथियार और कारतूस भी बरामद विवेचना के दौरान घटनास्थल से 3 राउंड, एक मैगजीन और 2 खाली खोखे बरामद किए गए। जब हथियार एवं कारतूसों को परीक्षण के लिए राज्य न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला, सिविल लाइन, सागर भेजा गया। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 307, 353 भारतीय दंड संहिता तथा धारा 25 और 27 आयुध अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच पूरी की। जांच के बाद पुलिस ने 18 फरवरी 2022 को न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन ने पुलिस अधिकारियों एवं अन्य संबंधित साक्षियों के

बयान, घटनास्थल से बरामद हथियार, कारतूस, मैगजीन, खाली खोखे तथा एफएसएल रिपोर्ट सहित विभिन्न दस्तावेजी और भौतिक साक्ष्य न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए।

न्यायालय ने इन धाराओं में सुनाई सजा

धारा 307 भादवि: 10 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 5,000 अर्थदंड।

धारा 353 भादवि: 1 वर्ष

का सश्रम कारावास एवं 500 अर्थदंड।

धारा 25(1-बी)(ए) आयुध अधिनियम: 2 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1,000 अर्थदंड।

धारा 27(1) आयुध अधिनियम: 7 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 3,000 अर्थदंड।

अर्थदंड की राशि जमा नहीं करने पर अलग-अलग धाराओं में अतिरिक्त सश्रम कारावास का भी प्रावधान किया गया है। न्यायालय द्वारा आरोपी पर कुल 9,500 का अर्थदंड अधिरोपित किया गया।

शासन की ओर से हुई पैरवी-प्रकरण में शासन की ओर से श्री विशाल गुप्ता, प्रभारी पदेन अपर लोक अभियोजक ने अभियोजन का पक्ष न्यायालय के समक्ष रखा। न्यायालय द्वारा उपलब्ध मौखिक, दस्तावेजी एवं भौतिक साक्ष्यों के परीक्षण के बाद आरोपी को दोषी मानते हुए उक्त सजा सुनाई गई।

SDM दीपक चौहान ने रंजीत टाइम्स को दी शुभकामनाएं, नशामुक्ति अभियान की सराहना

इंदौर। तहसील कार्यालय के SDM श्री दीपक चौहान ने रणजीत टाइम्स को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने रणजीत टाइम्स द्वारा चलाए जा रहे “नशे से दूरी है जरूरी” नशामुक्ति अभियान की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए अच्छी और जरूरी पहल बताया। SDM श्री दीपक चौहान ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि नशे से दूरी बनाएं और स्वस्थ एवं सुरक्षित समाज के निर्माण में सहयोग करें। उन्होंने रणजीत टाइम्स की इस सामाजिक पहल की प्रशंसा करते हुए अभियान को आगे भी जारी रखने के लिए शुभकामनाएं दीं।



खजराना गणेश मंदिर से विनीत भट्ट ने दी डोल ग्यारस एवं अनंत चतुर्दशी की शुभकामनाएं

इंदौर। प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर से विनीत भट्ट ने श्रद्धालुओं एवं शहरवासियों को डोल ग्यारस और अनंत चतुर्दशी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। विनीत भट्ट ने कहा कि डोल ग्यारस का पर्व धार्मिक आस्था और परंपरा से जुड़ा महत्वपूर्ण अवसर है। मान्यता है कि इस दिन भगवान करवट बदलते हैं। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से पर्व को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाने की अपील की।



भारतीय सर्व सेवा संगठन के इंदौर-उज्जैन संभाग कार्यालय का भव्य शुभारंभ

विधायक रमेश मेंदोला रहे मुख्य अतिथि, ममता सोनकर ने फीता काटकर किया कार्यालय का उद्घाटन

पदाधिकारियों का संकल्प-जनता की सेवा के लिए 24 घंटे रहेंगे तत्पर

रणजीत टाइम्स न्यूज

इंदौर। भारतीय सर्व सेवा संगठन के इंदौर-उज्जैन संभाग कार्यालय का भव्य शुभारंभ नंदा नगर स्थित काकेश्वरी बास्केटबॉल कॉम्प्लेक्स परिसर में हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इंदौर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक-2 के विधायक रमेश मेंदोला उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पार्षद चंदू शिंदे मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मनीष गंग ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक रमेश मेंदोला द्वारा मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर किया गया। इसके पश्चात भारतीय सर्व सेवा संगठन की इंदौर संभाग महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती ममता सोनकर ने फीता काटकर कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया।

इस अवसर पर विधायक रमेश मेंदोला ने संगठन के पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सेवा के उद्देश्य से कार्य करने वाले संगठन समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता



पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इंदौर में संगठन का कार्यालय शुरू होने से आमजन को अपनी समस्याएं रखने और उनके समाधान के प्रयासों के लिए एक मंच मिलेगा।

जनता की समस्याओं को प्राथमिकता से सुनने का संकल्प

संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि इंदौर में कार्यालय प्रारंभ होने के बाद आम जनता की

समस्याओं को प्राथमिकता से सुना जाएगा। संगठन के पदाधिकारी जनसेवा के लिए 24 घंटे तत्पर रहने का प्रयास करेंगे और जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए संगठन स्तर पर हरसंभव पहल की जाएगी। कार्यक्रम को सफल बनाने में संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से विपिन तिवारी, अनिल तिवारी, गणेश पांडेय, ममता सोनकर, चेतन जी, वैभव शर्मा, राजेश उपाध्याय, राजीव भारती, जय प्रकाश उपाध्याय, दीपक, सुभाष धर्माधिकारी, गांधी गोपाल उपाध्याय, धर्मेन्द्र डांगी, सुनील गुजराती और योगेश रेडवाल सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रीवा के गुड़ से शुरू हुआ संगठन का सफर

संगठन की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, भारतीय सर्व सेवा संगठन की शुरुआत रीवा जिले के गुड़ विधानसभा क्षेत्र से हुई थी। संगठन अब मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों में जनसेवा से जुड़े कार्य कर रहा है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष उमेश पीडिहा हैं। पदाधिकारियों ने संगठन के विस्तार में उनके प्रयासों और मार्गदर्शन की भूमिका का उल्लेख किया।

आदेश गणेश समिति ने की भव्य महाआरती, 56 भोग प्रसादी का वितरण

राजेश धाकड़

इंदौर। बर्फानी धाम स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर के समीप आदेश गणेश समिति द्वारा आयोजित गणेशोत्सव में रविवार को भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं समिति सदस्यों ने भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना की। गणपति बप्पा के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। महाआरती के दौरान भगवान श्री गणेश को 56



भोग अर्पित किए गए। इसके बाद श्रद्धालुओं को 56 भोग की प्रसादी वितरित की गई। भक्तों ने भगवान गणेश के दर्शन कर शहर एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उन्नति की कामना की। साथ ही देश की प्रगति एवं पर्याप्त वर्षा के लिए सामूहिक प्रार्थना की गई। कार्यक्रम में निक्की राय, भाजपा नेता मोहन सेंगर, दीपू सेंगर, राकेश सतलानी, सुमित स्वामी, कार्तिक झावरे, अंगद सिंह शेखावत एवं दीपक निगम सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे। सभी ने भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। समिति अध्यक्ष राकेश सतलानी ने आयोजन में उपस्थित अतिथियों एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। आयोजन को सफल बनाने में समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

एमराल्ड स्कूल में स्कूल फेडरेशन ऑफ इंडिया स्टेट टूर्नामेंट टेबल टेनिस.. शुरू हुआ

इंदौर। 10 संभाग में भाग ले रही है 300 खिलाड़ियों से ऊपर और 50 से ज्यादा ऑफिशल मध्य प्रदेश की उपस्थित रहे मुख्य अतिथि ज्वाइंट डायरेक्टर श्रीमती अनीता चौहान। शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय टेबल टेनिस खिलाड़ी प्रशांत महंत. संभागीय स्पोर्ट्स अधिकारी हेमंत वर्मा एमराल्ड स्कूल के अकरम खान संजय मिश्रा नीता वैष्णव उत्तर 500 उपस्थित रहे।



तेजा दशमी के उपलक्ष्य में निकले भव्य जुलूस में बृजलाल उस्ताद गुरु की व्यायामशाला ने मारी बाजी

सिंहासा। ग्राम सिंहासा में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी तेजा दशमी के पावन अवसर पर हर्ष और उल्लास के साथ भव्य जुलूस निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जुलूस के दौरान विभिन्न व्यायामशालाओं द्वारा शानदार प्रदर्शन प्रस्तुत किए गए। युवाओं ने लाठी, तलवार एवं पारंपरिक व्यायाम के हैरतअंगेज करतब दिखाकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। प्रतियोगिता में बृजलाल उस्ताद गुरु की व्यायामशाला ने अपने शानदार प्रदर्शन से बाजी मारते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। व्यायामशाला के खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन



पर ग्रामीणों ने जमकर उत्साहवर्धन किया। तेजा दशमी के इस आयोजन ने ग्राम की परंपरा, संस्कृति और भाईचारे को एक बार फिर जीवंत कर दिया। पूरे जुलूस के दौरान गांव का माहौल उत्साह और उमंग से सराबोर नजर आया।

सहजयोग और युवा शक्ति

आज का युवा ऊर्जा, उत्साह और नई सोच से भरपूर है। युवा शक्ति किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत होती है। यदि इस ऊर्जा को सही दिशा मिले, तो समाज और देश में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। इसी संदर्भ में सहजयोग युवाओं के लिए आत्म-जागरूकता, मानसिक शांति और संतुलित जीवन का एक उपयोगी मार्ग प्रस्तुत करता है सहजयोग, ध्यान के माध्यम से व्यक्ति को अपने भीतर की शांति और आत्मचेतना को अनुभव करने की प्रेरणा देता है। आज की तेज रफ्तार ज़िंदगी में युवा पढ़ाई, करियर, प्रतियोगिता और सामाजिक दबाव जैसी अनेक चुनौतियों का सामना करते हैं। ऐसे समय में ध्यान और आत्मनिरीक्षण उन्हें अपने विचारों और भावनाओं को समझने में सहायता करता है। युवावस्था सीखने और व्यक्तित्व निर्माण का महत्वपूर्ण समय है। आज की युवा शक्ति आडंबर व अंधविश्वास को नहीं मानती। ये प्रमाणित सत्य को ही स्वीकार करते हैं। ऐसे में सहजयोग युवाओं के समक्ष भारतीय आध्यात्मिक संस्कृति व ज्ञान का वैज्ञानिक व अनुभूत पक्ष प्रस्तुत करता है जिसे प्रत्यक्ष अनुभव किया जा सकता है। नियमित ध्यान से युवा अपने भीतर एकाग्रता, धैर्य और सकारात्मक सोच विकसित कर पाते हैं। सहजयोग



युवाओं को केवल व्यक्तिगत शांति की ओर ही नहीं, बल्कि दूसरों के प्रति सम्मान, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना की ओर भी प्रेरित करता है। जब युवा अपने भीतर संतुलन विकसित करते हैं, तो वे परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को अधिक जागरूकता के साथ निभा सकते हैं। युवा समाज में परिवर्तन के महत्वपूर्ण वाहक हैं। यदि युवा अपनी ऊर्जा को रचनात्मक कार्यों, शिक्षा, सेवा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सद्भाव में लगाएँ, तो समाज में सकारात्मक बदलाव संभव है। सहजयोग की भावना युवाओं को आत्म-विकास के साथ-साथ सामूहिक कल्याण की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा दे सकती है। एक शांत और संतुलित युवा अपने आसपास भी सकारात्मक वातावरण बनाने में योगदान दे सकता है। जब युवा शक्ति जागरूक, संतुलित और सकारात्मक बनती है, तो उनकी शक्ति केवल उनके अपने जीवन को ही नहीं, बल्कि पूरे समाज को नई दिशा देने में योगदान करती है। सहजयोग ध्यान पूर्णतः निःशुल्क है। सहजयोग की अधिक जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा www.sahajayoga.org.in से प्राप्त कर सकते हैं।

भौतिक, सामाजिक, मानसिक व आध्यात्मिक विकास में सहायक है सहजयोग

मनुष्य का जीवन तभी संतुलित और सार्थक बन सकता है, जब उसके विकास के सभी पहलुओं पर ध्यान दिया जाए। केवल भौतिक उन्नति जीवन को पूर्ण संतोष नहीं दे सकती। स्वस्थ शरीर, सकारात्मक मन, मधुर सामाजिक संबंध और आध्यात्मिक शांति—इन सभी का अपना महत्व है। सहजयोग व्यक्ति को अपने भीतर की ओर ध्यान केंद्रित करने और जीवन में संतुलन विकसित करने की दिशा में प्रेरित करता है। भौतिक विकास के स्तर पर स्वस्थ जीवनशैली और नियमित ध्यान व्यक्ति को अपने शरीर और उसकी आवश्यकताओं के प्रति अधिक सजग बनाने में सहायक हो सकते हैं। जब व्यक्ति अपने जीवन में अनुशासन, संतुलन और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाता है, तो वह अपने दैनिक कार्यों को अधिक एकाग्रता और सहजता से करने का प्रयास कर सकता है। सामाजिक विकास भी मानव जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। परिवार, मित्रों और समाज के साथ हमारे संबंध हमारे जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। सहजयोग में आत्म-जागरूकता और ध्यान के माध्यम से व्यक्ति अपनी भावनाओं तथा प्रतिक्रियाओं को समझने का अभ्यास करता है। इससे दूसरों के प्रति समझ, सम्मान और संवेदनशीलता विकसित करने में सहायता मिल सकती है। जब व्यक्ति स्वयं के भीतर शांति अनुभव करता है, तो उसके सामाजिक व्यवहार में भी सकारात्मक परिवर्तन आने की संभावना रहती है। आज तनाव और निरंतर विचारों से भरा जीवन मानसिक संतुलन के लिए चुनौती बन गया है। सहजयोग में ध्यान और निर्विचारिता की अवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाता है। नियमित ध्यान मन को कुछ समय के लिए विचारों की निरंतरता से अलग होने और वर्तमान क्षण में रहने का अवसर दे सकता है। इससे व्यक्ति अपने विचारों और भावनाओं को अधिक सजगता से देखने का अभ्यास कर सकता है। सहजयोग का एक महत्वपूर्ण पहलू आध्यात्मिक विकास है। आत्म-साक्षात्कार की दिशा में



बढ़ते हुए व्यक्ति अपने भीतर की चेतना को समझने का प्रयास करता है। यह यात्रा बाहरी उपलब्धियों से आगे बढ़कर स्वयं को जानने और जीवन के गहरे उद्देश्य पर विचार करने का अवसर देती है। इस प्रकार, सहजयोग को केवल ध्यान की एक पद्धति के रूप में देखने के बजाय आंतरिक जागरूकता और संतुलित जीवन की दिशा में एक साधना के रूप में समझा जा सकता है।

भौतिक, सामाजिक, मानसिक और आध्यात्मिक—जीवन के इन सभी आयामों में संतुलन स्थापित करने का प्रयास व्यक्ति को अधिक सजग, शांत और संतुलित जीवन जीने में सहायक होता है। नजदीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल-फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा www.sahajayoga.org.in से प्राप्त कर सकते हैं।

चेतना से चैतन्य तक की यात्रा

सहजयोग

मनुष्य का जीवन केवल बाहरी उपलब्धियों, सुख-सुविधाओं और भौतिक प्रगति तक सीमित नहीं है। उसके भीतर एक ऐसी शक्ति विद्यमान है, जो उसे स्वयं को जानने, अपनी वास्तविक पहचान को समझने और जीवन में गहन शांति अनुभव करने की दिशा दिखाती है।

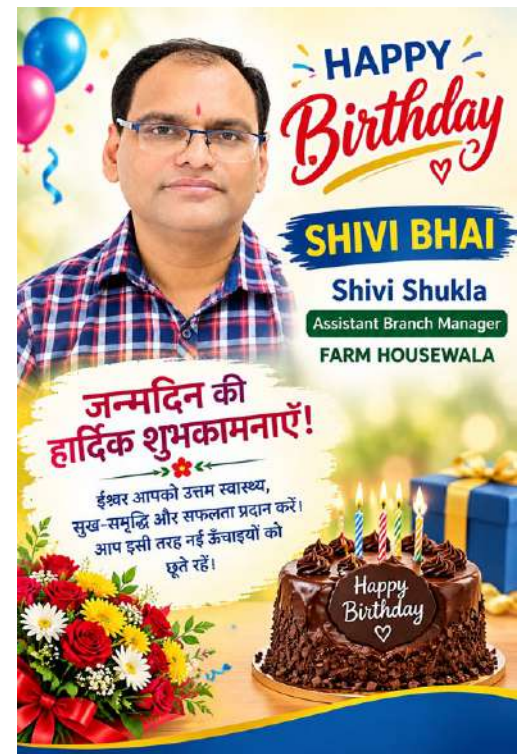
इसी आंतरिक यात्रा को सहजयोग एक सहज और प्राकृतिक मार्ग प्रदान करता है। हम सामान्यतः अपनी चेतना को बाहरी संसार से जोड़कर देखते हैं। हमारी सोच, भावनाएँ, इच्छाएँ और अनुभव लगातार हमारे मन को प्रभावित करते रहते हैं। परिणामस्वरूप मनुष्य तनाव, चिंता, असंतुलन और असंतोष का अनुभव करने लगता है। सहजयोग हमें इसी बाहरी भागदौड़ से कुछ क्षण हटकर अपने भीतर देखने की प्रेरणा देता है।

सहजयोग की विशेषता यह है कि इसमें आत्मसाक्षात्कार को किसी कठिन साधना के



रूप में नहीं, बल्कि एक सहज और स्वाभाविक अवस्था के रूप में समझाया जाता है। ध्यान के माध्यम से व्यक्ति अपने भीतर स्थित सूक्ष्म तंत्र और अंतर्निहित आध्यात्मिक शक्ति के प्रति जागरूक होने का प्रयास करता है। जब मन धीरे-धीरे विचारों के निरंतर प्रवाह से ऊपर उठकर निर्विचार शांति का अनुभव करता है, तब भीतर एक नई जागरूकता का अनुभव होने लगता है।

यही यात्रा चेतना से चैतन्य की ओर बढ़ने का प्रतीक है। चेतना हमें संसार का अनुभव कराती है, जबकि चैतन्य हमें अपने अस्तित्व के उस गहरे आयाम से जोड़ता है, जहाँ शांति, संतुलन और आत्मबोध का अनुभव संभव होता है। सहजयोग का ध्यान व्यक्ति को स्वयं के भीतर स्थित उस सूक्ष्म शक्ति से जुड़ने और अपने जीवन को अधिक संतुलित दृष्टि से देखने का अवसर देता है। आज की तेज गति वाली जीवनशैली में सहजयोग का महत्व और भी बढ़ जाता है। कुछ समय शांत होकर ध्यान करना व्यक्ति को अपने विचारों और भावनाओं को समझने में सहायता कर सकता है। इससे जीवन के प्रति दृष्टिकोण में सकारात्मक परिवर्तन, आत्मविश्वास और आंतरिक संतुलन की भावना विकसित हो सकती है। वास्तविक परिवर्तन बाहर की दुनिया को बदलने से पहले अपने भीतर परिवर्तन लाने से शुरू होता है। सहजयोग इसी अंतर्मुखी यात्रा का निमंत्रण है—एक ऐसी यात्रा जिसमें मनुष्य स्वयं को पहचानने की ओर बढ़ता है। चेतना से चैतन्य तक की यह यात्रा अंततः स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार की यात्रा है। सहजयोग ध्यान पूर्णतः निःशुल्क है। सहजयोग की अधिक जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा www.sahajayoga.org.in से प्राप्त कर सकते हैं।





“नशे से दूरी और इको-फ्रेंडली गणेश विसर्जन समय की जरूरत- एडीसीपी राजेश दंडोतिया

रणजीत टाइम्स की पहल की सराहना, अभियान के लिए दी बधाई इंदौर। गणेश उत्सव को आस्था के साथ सामाजिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी से जोड़ने के उद्देश्य से रणजीत टाइम्स द्वारा शुरू किए गए “नशामुक्त अभियान एवं इको-फ्रेंडली गणेश विसर्जन” को लेकर इंदौर क्राइम ब्रांच के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (ADCP) राजेश दंडोतिया से

रणजीत टाइम्स ने खास बातचीत की। इंदौर पुलिस की आधिकारिक सूची में दंडोतिया वर्तमान में Additional DCP (Crime) के पद पर दर्ज हैं। बातचीत के दौरान रणजीत टाइम्स की ओर से अभियान का उद्देश्य साझा किया गया—गणेश विसर्जन के दौरान नशे से दूरी, जल स्रोतों की सुरक्षा, पर्यावरण के अनुकूल विसर्जन और गणपति के नाम पर पौधरोपण को बढ़ावा देना।



अभिषेक रंजन डीसीपी जेन 3



SDM दीपक चौहान जी

नशामुक्ति अभियान

रंजीत टाइम्स की पहल को मिल रहा व्यापक सहयोग

धर्मगुरुओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने नशे से दूरी और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

रणजीत हनुमान
मुख्य पुजारी
पंडित दीपेश व्यासविनीत भट्ट
खजराना मंदिरमुख्य पुजारी
अशोक भट्ट
खजराना मंदिर

सहयोगियों का समर्थन प्राप्त हुआ है। सभी ने रणजीत टाइम्स की इस पहल की सराहना करते हुए आमजन से अपील कि गणेश उत्सव आस्था, भक्ति और संस्कार का पर्व है, इसे नशामुक्त एवं पर्यावरण हितैषी तरीके से मनाया जाए। युवाओं को नशे से दूर रखने और समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए। रणजीत टाइम्स ने सभी सहयोगियों एवं समाजसेवियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह अभियान किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है। अधिक से अधिक लोग अभियान से जुड़ें और “नशे से दूरी है जरूरी” का संदेश घर-घर तक पहुंचाएं।

- » रणजीत टाइम्स का संदेश
- » नशे से दूरी है जरूरी
- » गणेश उत्सव नशामुक्त बनाएं
- » इको-फ्रेंडली तरीके से गणेश विसर्जन करें
- » पेड़ लगाएं, पर्यावरण बचाएं

नशे से दूरी है जरूरी, इको-फ्रेंडली गणेश विसर्जन का संदेश लेकर आगे बढ़ी रणजीत टाइम्स की टीम

नशामुक्त समाज के साथ पर्यावरण संरक्षण का संकल्प, श्रद्धालुओं से की जागरूकता की अपील

इंदौर। सामाजिक सरोकारों को प्राथमिकता देते हुए रणजीत टाइम्स की ओर से “नशे से दूरी है जरूरी” एवं “इको-फ्रेंडली गणेश विसर्जन” जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। रणजीत टाइम्स के राजा गणेश एवं पूरी टीम द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया जा रहा है।

अभियान के तहत गणेश उत्सव समितियों, श्रद्धालुओं और आम नागरिकों से अपील की जा रही है कि गणेश पंडाल एवं विसर्जन के दौरान किसी भी प्रकार के नशे का सेवन न करें और धार्मिक पर्व को श्रद्धा, भक्ति एवं अनुशासन के साथ मनाएं। वहीं, पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए गणेश प्रतिमाओं का इको-फ्रेंडली तरीके से विसर्जन करने का संदेश दिया जा रहा है। रणजीत टाइम्स की टीम लोगों को प्रेरित कर रही है कि विसर्जन के दौरान जलस्रोतों को प्रदूषित न करें और पर्यावरण की सुरक्षा में अपनी जिम्मेदारी निभाएं।



रणजीत के राजा

“पेड़ लगाओ, दुनिया बचाओ”

रणजीत टाइम्स की इस पहल के माध्यम से गणेश उत्सव को आस्था के साथ नशामुक्ति, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। टीम का संदेश है कि भगवान गणेश के प्रति श्रद्धा के साथ प्रकृति की रक्षा करना भी हमारी जिम्मेदारी है।

रणजीत टाइम्स का संकल्प

“नशे से दूरी है जरूरी, इको-फ्रेंडली विसर्जन है जरूरी।”
नशामुक्त समाज • स्वच्छ पर्यावरण • सुरक्षित गणेश उत्सव
रणजीत टाइम्स के राजा गणेश का संदेश - “बप्पा की भक्ति करें, नशे से दूरी रखें और पर्यावरण की रक्षा के साथ गणेश विसर्जन करें।”



पीएम किसान सम्मान निधि योजना के लिए 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक विशेष अभियान

ई-केवाईसी, आधार-बैंक लिंकिंग एवं लैण्ड लिंकिंग सहित लंबित कार्य होंगे पूर्ण

डिंडौरी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ सुचारू रूप से उपलब्ध कराने के लिए जिले में 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2026 तक विशेष अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान के दौरान हितग्राहियों की ई-केवाईसी, आधार एवं बैंक खाते को डीबीटी हेतु सक्षम कराने, लैण्ड लिंकिंग, फार्मर आईडी सहित अन्य आवश्यक कार्यवाहियां पूर्ण कराई जाएंगी। योजना के अंतर्गत पात्र किसान परिवारों को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये की राशि तीन समान किश्तों में प्रदान की जाती है। अभियान के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार कर हितग्राहियों को जानकारी दी जाएगी तथा पंचायतों के क्लस्टर बनाकर पंचायत भवनों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों में पीएम किसान एप के माध्यम



से ई-केवाईसी की प्रक्रिया की जानकारी एवं प्रशिक्षण दिया जाएगा। सीएससी केंद्रों को ई-केवाईसी का लक्ष्य निर्धारित कर कार्य की नियमित समीक्षा की जाएगी। पटवारियों को योजना के लिए ग्राम नोडल अधिकारी (टछवू) के रूप में दायित्व सौंपते हुए पटवारीवार समीक्षा की जाएगी तथा अपात्र हितग्राहियों का चिन्हांकन एवं छूटे हुए पात्र हितग्राहियों के पंजीयन की कार्यवाही की जाएगी।

अभियान के दौरान कृषि, पंचायत सहित अन्य विभागों के मैदानी अमले का सहयोग लेते हुए योजना के शत-प्रतिशत सेचुरेशन का लक्ष्य रखा गया है। ई-केवाईसी एवं लैण्ड लिंकिंग, आधार-बैंक खाता लिंकिंग अथवा आईपीपीबी के माध्यम से आवश्यक कार्यवाही, संदिग्ध हितग्राहियों का शत-प्रतिशत सत्यापन तथा लंबित सेल्फ रजिस्ट्रेशन का पंजीयन दिनांक से सात दिवस में निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। पीएम किसान पोर्टल पर उपलब्ध रिपोर्ट के माध्यम से कार्यों की सतत समीक्षा की जाएगी तथा राजस्व अधिकारियों की बैठकों में भी इसकी नियमित समीक्षा की जाएगी। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि समस्त लंबित कार्यवाही 31 अक्टूबर 2026 तक पूर्ण कराएं, ताकि पात्र किसानों को योजना का लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

मुख्यमंत्री ने रणदिवे को दिया श्रेय, विजयवर्गीय बोले- 'आज एक राज की बात पता चली'



पूरे कार्यक्रम के सूत्रधार गौरव रणदिवे थे। इसके साथ ही उन्होंने रणदिवे को सफल आयोजन के लिए बधाई और आभार भी जताया। विजयवर्गीय की इस टिप्पणी के दौरान मंच पर नितिन नवीन मौजूद थे।

रिपोर्टों के मुताबिक

मुख्यमंत्री ने भी इस दौरान नितिन नवीन से कुछ बातचीत की। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में है। हालांकि, मंच से हुई इन टिप्पणियों के आधार पर भाजपा के भीतर किसी बड़े मतभेद का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा।

फिलहाल इतना स्पष्ट है कि

एक ही मंच पर मुख्यमंत्री द्वारा रणदिवे को आयोजन का श्रेय देना और उसके तुरंत बाद विजयवर्गीय का 'राज की बात' वाला तंज इंदौर की राजनीति में चर्चा का विषय बन गया है।

इंदौर की ऐतिहासिक गणेश विसर्जन चल समारोह परंपरा को बचाने के लिए आगे आए पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल

आर्थिक सहयोग, बढ़ाया कलाकारों का हौसला



इंदौर। वर्ष 1924 से चली आ रही इंदौर की प्रसिद्ध गणेश विसर्जन चल समारोह की परंपरा को बचाने के लिए वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल आगे आए हैं।

इस पारंपरिक और सांस्कृतिक धरोहर को कमजोर होने से बचाने के लिए उन्होंने अपनी ओर से सक्रिय योगदान देना शुरू कर दिया है। इस कड़ी में आज हुकमचंद मिल, स्वदेशी

मिल, राजकुमार मिल, कल्याण मिल और मालवा मिल को 25-25 हजार रुपये की नकद राशि प्रदान कर उनका मनोबल बढ़ाया गया। समाजसेवी मदन परमालिया ने बताया परंपरा से जुड़ी तीन मिलों की झांकियों को भी आर्थिक सहयोग देकर इस चल समारोह में शामिल किया जा रहा है। इस मौके पर विजय राठौर और बंटी जी भी शामिल थे।

BHMS डॉक्टरों द्वारा कथित एलोपैथिक उपचार पर उठे सवाल, स्वास्थ्य विभाग से जांच की मांग

सुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। शहर के कुछ निजी क्लीनिकों में चिकित्सकों की योग्यता, पंजीकरण और मरीजों को दी जा रही उपचार पद्धति को लेकर सवाल उठ रहे हैं। शिकायतों में दावा किया गया है कि कुछ स्थानों पर.....



के लिए National Medical Commission के पंजीकरण और पेशेवर आचरण संबंधी प्रावधान लागू होते हैं। ऐसे में मुख्य सवाल यह है कि संबंधित क्लीनिकों में उपचार करने वाले चिकित्सक किस चिकित्सा पद्धति में पंजीकृत हैं और मरीजों को दी जा रही उपचार पद्धति उनके वैध पंजीकरण एवं लागू नियमों के अनुरूप है या नहीं।

IV बॉटल और इंजेक्शन को लेकर भी जांच जरूरी-स्थानीय स्तर पर कुछ क्लीनिकों में मरीजों को इंजेक्शन तथा IV बॉटल लगाए जाने के दावे सामने आए हैं। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा यह जांच किया जाना महत्वपूर्ण होगा कि संबंधित संस्थान के पास क्लीनिकल संचालन के लिए आवश्यक पंजीकरण, अनुमति, प्रशिक्षित स्टाफ, आपातकालीन व्यवस्था और अन्य निर्धारित सुविधाएं उपलब्ध हैं या नहीं।

पूर्व कार्रवाई के बाद दोबारा संचालन का सवाल

-यदि किसी क्लीनिक के विरुद्ध पूर्व में कार्रवाई हुई है और उसके बाद दोबारा संचालन की शिकायत सामने आती है, तो संबंधित विभाग द्वारा रिकॉर्ड की जांच और निरीक्षण के माध्यम से स्थिति स्पष्ट की जा सकती है। सवाल यह भी है कि पूर्व कार्रवाई के बाद अनुपालन की निगरानी किस स्तर पर की गई।

स्वास्थ्य विभाग से प्रमुख सवाल- क्या संबंधित क्लीनिकों का पंजीकरण और लाइसेंस जांचा गया है? चिकित्सकों का संबंधित चिकित्सा पद्धति में वैध पंजीकरण है या नहीं? BHMS चिकित्सक द्वारा आधुनिक चिकित्सा पद्धति अपनाए जाने की शिकायतों की विभागीय जांच हुई है या नहीं? इंजेक्शन और IV उपचार की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं एवं अनुमति मौजूद हैं या नहीं? पूर्व में कार्रवाई किए गए क्लीनिकों का दोबारा निरीक्षण किया गया या नहीं? अब देखना यह होगा कि स्वास्थ्य विभाग इन शिकायतों की जांच कर तथ्यों की पुष्टि करता है या नहीं। यदि निरीक्षण में नियमों का उल्लंघन सामने आता है, तो संबंधित कानून और नियमों के अनुसार कार्रवाई की जा सकती है।

BAMS — आयुर्वेद।

BHMS — होम्योपैथी।

BUMS — यूनानी चिकित्सा।

BSMS — सिद्ध चिकित्सा

अथवा अन्य पैथी से संबंधित योग्यता रखने वाले चिकित्सकों द्वारा मरीजों को कथित तौर पर आधुनिक चिकित्सा पद्धति की दवाएं, इंजेक्शन अथवा IV बॉटल जैसी उपचार प्रक्रियाएं कराई जा रही हैं। National Commission for Homoeopathy Act, 2020 और उससे संबंधित नियम होम्योपैथी चिकित्सकों के पंजीकरण एवं पेशेवर आचरण को विनियमित करते हैं। दूसरी ओर, आधुनिक चिकित्सा का अभ्यास करने वाले चिकित्सकों

जिंदगी से हार चुकी थी कलेक्टर की जनसुनवाई ने दे दी नई जिंदगी-द्वारिका की कहानी

सह संपादक - अनिल चौधरी

कुछ कहानियां सिर्फ खबर नहीं होतीं, वो भरोसे की मिसाल बन जाती हैं। ऐसी ही एक कहानी है द्वारिका प्रजापति की, जो अपने पति और दो मासूम बच्चों के साथ जिंदगी खत्म करने जा रही थी, लेकिन इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा की जनसुनवाई ने उसे जीने की नई वजह दे दी और आज वही द्वारिका अपने हाथों से टिफिन में खाना और मिठाई बनाकर कलेक्टर कार्यालय पहुंची। आंखों में आंसू और चेहरे पर मुस्कान लिए बोली - “मेरा कोई नहीं है कलेक्टर साहब ही मेरे भैया हैं जब सब कुछ खत्म लगने लगा था द्वारिका के पति जेसीबी ऑपरेटर थे। परिवार हंसी-खुशी चल रहा था, लेकिन दर्द की दवाइयों ने सब बिगाड़ दिया। 5 साल पहले दोनों किडनियां फेल हो गईं, अब लीवर भी खराब है। हफ्ते में तीन बार डायलिसिस इलाज में घर-बार सब



बिक गया। रिश्तेदारों ने मुंह मोड़ लिया। दो छोटे बच्चों के साथ द्वारिका अकेली रह गई। काम मांगने जाती तो कोई देता नहीं। एक वक्त ऐसा आया जब

अस्पताल जाने तक के पैसे नहीं बचे। थक-हार कर पूरे परिवार ने आत्महत्या करने का फैसला कर लिया। एक आखिरी उम्मीद - कलेक्टर से मिलना

इसी बीच किसी ने बताया कि कलेक्टर जनसुनवाई करते हैं। द्वारिका एक आखिरी उम्मीद लेकर कलेक्टर शिवम वर्मा के पास पहुंची कलेक्टर शिवम

वर्मा ने बताया - प्रजापति जी काफी निराश और परेशान थीं। जब मामला संज्ञान में आया तो हमने तुरंत मदद की। उनके पति का इलाज कराया और मुख्यमंत्री जी के निर्देशन में उन्हें रोजगार से जोड़ा कलेक्टर की पहल पर द्वारिका को दुकान और ठेला शुरू करवाया गया आज खुद के पैरों पर खड़ी है द्वारिका आज द्वारिका रोज 1000 रुपये कमा रही है। पति का इलाज चल रहा है, बच्चे स्कूल जा रहे हैं द्वारिका कहती हैं इतनी तंगी थी कि लगा मर जाना ही ठीक है। सोचा आखिरी बार कलेक्टर साहब से मिल लेते हैं। उन्होंने मेरी सुनी, मेरी जिंदगी बचा ली। आज जो मौत के मुंह से निकाल कर जीना सिखाए, वो भाई से बढ़कर ही तो है इंदौर कलेक्टर की जनसुनवाई आज सिर्फ फरियाद सुनने का मंच नहीं, बल्कि किसी की टूटी जिंदगी को फिर से जोड़ने का आशीर्वाद बन गई है।

डिंडौरी के 1957 आंगनवाड़ी केंद्रों में प्रज्वलित हुआ ‘आशीर्वाद का दीया’

डिंडौरी। संकल्प से सेवा अभियान के अंतर्गत कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री श्याम सिंगौर के निर्देशन में जिले के सभी 1957 आंगनवाड़ी केंद्रों में 17 सितंबर को ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के तहत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं द्वारा आंगनवाड़ी केंद्रों पर दीप प्रज्वलित किए गए।

कार्यक्रम से पूर्व आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा जनमानस को कार्यक्रम में सहभागिता के लिए आमंत्रित किया गया, जिससे जिलेभर में उत्साहपूर्ण वातावरण निर्मित हुआ। ‘आशीर्वाद का दीया’ कार्यक्रम के अंतर्गत महिला एवं बालिका हितग्राहियों के घरों पर भी दीप



प्रज्वलित किए गए। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने हितग्राहियों के घर पहुंचकर दीप प्रज्वलन कराया तथा लाडली लक्ष्मी योजना, लाडली बहना योजना एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सहित विभागीय योजनाओं से जुड़े हितग्राही परिवारों को कार्यक्रम से जोड़ा। कार्यक्रम में अधिक से अधिक हितग्राहियों एवं समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता का संदेश दिया

गया।

सीडीपीओ एवं पर्यवेक्षकों ने भी की सहभागिता

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी परियोजना अधिकारी/सीडीपीओ एवं पर्यवेक्षकों ने अपने-अपने क्षेत्र के निकटस्थ आंगनवाड़ी केंद्रों पर उपस्थित रहकर दीप प्रज्वलन कार्यक्रम में सहभागिता की। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, हितग्राहियों एवं समुदाय के साथ मिलकर दीप प्रज्वलित किए। सामूहिक दीप प्रज्वलन के माध्यम से जनमानस को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों के विकास कार्यों एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक किया गया।

एक गणपति-एक पेड़



इंदौर। गणेशोत्सव हमारी आस्था, संस्कृति और सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण पर्व है। भगवान श्री गणेश की स्थापना से लेकर विसर्जन तक श्रद्धालु पूरे भाव से उनकी आराधना करते हैं। अब इसी आस्था को प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने के उद्देश्य से रणजीत टाइम्स ने “एक गणपति — एक पेड़” अभियान का विचार समाज के सामने रखा है। इस पहल का उद्देश्य सरल लेकिन दूरगामी है— जहाँ संभव और पर्यावरण की दृष्टि से उचित हो, पर्यावरण-अनुकूल मिट्टी की गणेश प्रतिमा का अलग विसर्जन कुंड में सम्मानपूर्वक विसर्जन किया जाए और गणपति बप्पा की स्मृति में कम से कम एक पौधा लगाया जाए। यदि हजारों गणेश मंडल और लाखों परिवार इस संकल्प को अपनाते हैं तो आने वाले वर्षों में गणपति के नाम से बड़ी संख्या में वृक्ष तैयार हो सकते हैं। आज लगाया गया छोटा-सा पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए छाया, हरियाली और स्वच्छ पर्यावरण की विरासत बन सकता है।

जलस्रोतों को बचाने की दिशा में पहल

अभियान का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य प्राकृतिक जलस्रोतों पर पड़ने वाले प्रदूषण के दबाव को कम करना भी है। जिन लोगों के पास खेत, फार्महाउस अथवा अन्य उपयुक्त निजी भूमि है, वे प्रतिमा के आकार के अनुरूप अलग विसर्जन कुंड तैयार कर सकते हैं।

क्षमता से कई गुना अधिक बच्चों को बैठाने वाले ऑटो पर कार्रवाई, 10 वाहन जब्त

साहिल खान

शहडोल। समाचार पत्र में निर्धारित क्षमता से कई गुना अधिक स्कूली बच्चों को ऑटो में बैठाकर परिवहन किए जाने की खबर प्रकाशित होने के बाद पुलिस अधीक्षक शहडोल डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए यातायात पुलिस को नियमों का उल्लंघन करने वाले ऑटो के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। निर्देश के बाद पुलिस ने स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर ऑटो वाहनों की जांच का विशेष अभियान चलाया। इसी कार्रवाई के दौरान थाना अमलाई क्षेत्र अंतर्गत एनएच-43 पर समाचार पत्र में प्रकाशित तस्वीर में दिखाई दिए ऑटो की भी जांच की गई। पुलिस के अनुसार ऑटो चालक भोला सिंह पिता चंद्र कुमार सिंह गोंड, निवासी बिछिया थाना अमलाई द्वारा निर्धारित क्षमता से अधिक स्कूली बच्चों को बैठाकर वाहन संचालित किया जा रहा था। अमलाई पुलिस ने संबंधित ऑटो को जब्त कर लिया है और उसके विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई



की जा रही है।

यातायात पुलिस द्वारा चलाए गए विशेष अभियान में निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां बैठाने के साथ वाहन के आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले ऑटो वाहनों की जांच की गई। अभियान के दौरान नियम विरुद्ध संचालित कुल 10 ऑटो वाहन जब्त किए गए और उनके विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की गई। पुलिस ने ऑटो

चालकों एवं वाहन संचालकों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है कि निर्धारित क्षमता के अनुसार ही सवारियां बैठाएं तथा वाहन के रजिस्ट्रेशन, परमिट, फिटनेस, पीयूसी और ड्राइविंग लाइसेंस सहित सभी आवश्यक दस्तावेज वैध रखें। खासकर स्कूली बच्चों को लाने-ले जाने वाले वाहनों में सुरक्षा मानकों का पालन करने पर जोर दिया गया है। पुलिस का कहना है कि यातायात नियमों के उल्लंघन और स्कूली बच्चों की सुरक्षा से जुड़े मामलों में कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।



हमारे प्रिय भाई

21
SEPTEMBER

दीप शर्मा

को जन्मदिन की हार्दिक बधाई..


अनमोल वीरे


विकी भैया


सोनू भैया


बाला गावड़े


बाबा भुल्लर


दीपेश चौधरी


पूजा आर्यन


गोस्वामी

युवराज शर्मा


उमंग जी


मुरली मंडलोई


हार्दिक पाटीदार


रोहित बाबा


युनंग शर्मा


मिटू डॉन


हरदीप सैनी


प्रतीक जी


राजेश भाई


बलराम भाई


आयुष भाई


भाई जी


मनजोत


दीपक गोस्वामी


चिटू भाई


सिमरन सैनी


हरमन


राजत सरकार


चेतन भाई


कृष्णा भाई


मोहित जी

बधाईकर्ता : बाला गावड़े, बाबा भुल्लर फ्रेंड्स क्लब